INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION

D.P. Bhosale College, Koregaon

Tal. Koregaon, Dist. Satara (MS), INDIA
(Affiliated to Shivaji University, Kolhapur)
NAAC Re-accredited 'A' Grade (CGPA 3.12)
ISO 9001:2015 Certified

Impact Factor – 6.261 ISSN – 2348-7143

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION'S

RESEARCH JOURNEY

International E-Research Journal

PEER REFREED & INDEXED JOURNAL

March -2019 Special Issue – 171 (D)

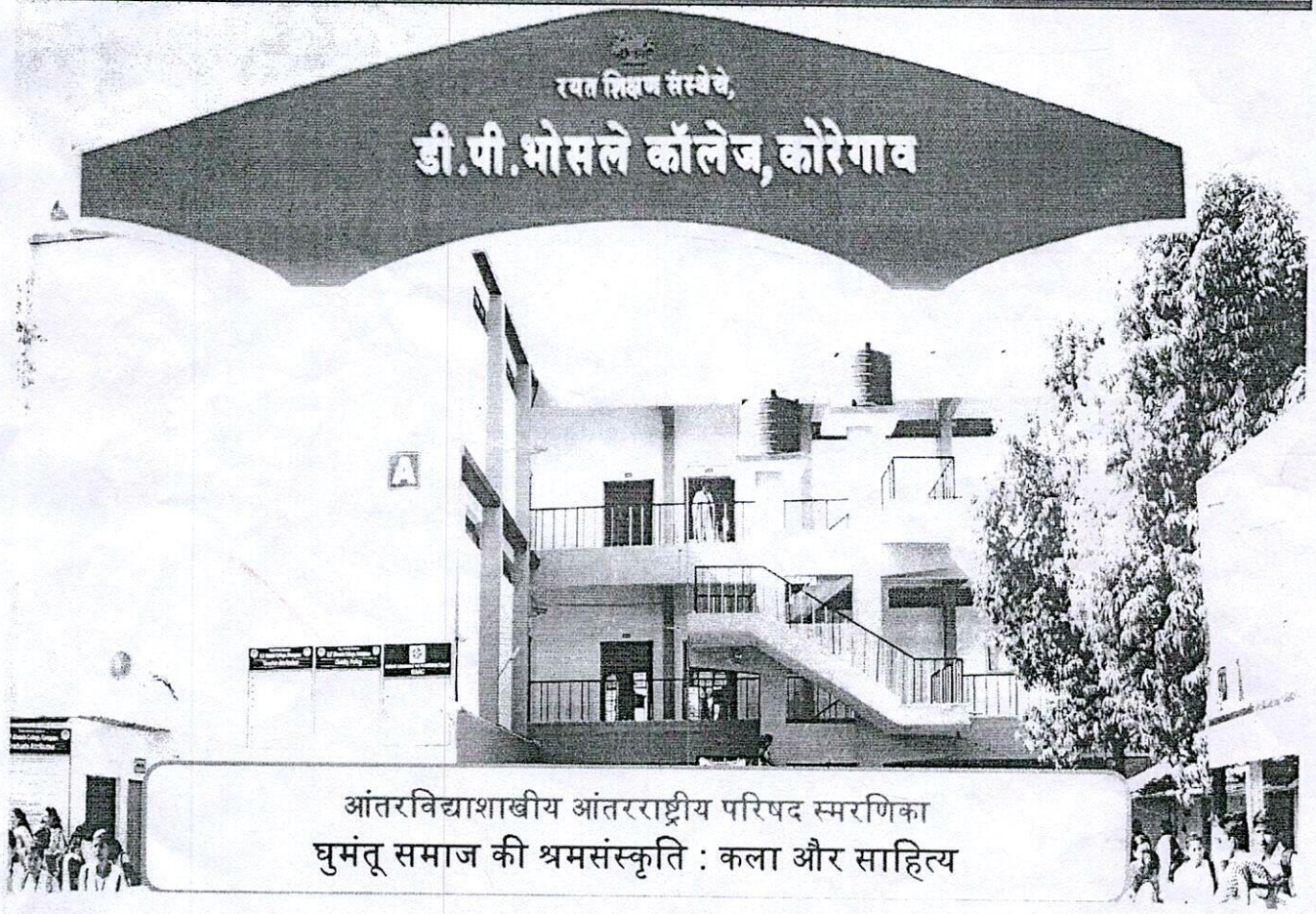

आंतरविद्याशाखीय आंतरराष्ट्रीय परिषद स्मरणिका

घुमंतू समाज की श्रमसंस्कृति : कला और साहित्य

अतिथी संपादक
डॉ. विजयसिंह सावंत
प्राचार्य
डी.पी.भोसले कॉलेज, कोरेगाव
ता.कोरेगाव, जि. सातारा

कार्यकारी संपादक
डॉ. गजानन भोसले
प्रमुख, हिंदी विभाग
डी.पी.भोसले कॉलेज, कोरेगाव
ता. कोरेगाव, जि. सातारा

सहयोगी संपादक
श्रीमती आर. के. मुल्ला
सहाय्यक प्राध्यापिका, हिंदी विभाग
डी.पी.भोसले कॉलेज, कोरेगाव
ता. कोरेगाव, जि. सातारा

मुख्य संपादक
डॉ. धनराज धनगर (येवला)

For Details Visit To : www.researchjourney.net

SWATIDHAN PUBLICATIONS

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION

'RESEARCH JOURNEY' International E- Research Journal
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452(2015), (GIF)-0.676 (2013)
Special Issue 171(D) घुमंतू समाज की श्रमसंस्कृति : कला और साहित्य
UGC Approved Journal
ISSN : 2348-7143
April-2019

अनुक्रमणिका

अ.क्र.	शीर्षक	लेखक / लेखिका	पृष्ठ क्र.
1	घुमंतू घिसाडी समाज का स्वरूप एवं वास्तव	डॉ.भानुदास आगेडकर	06
2	बंजारा समाज की संस्कृति एवं व्यवसाय का परिचय	डॉ. मेदिनी अंजनीकर	12
3	घुमंतू समाज की बोली भाषा	डॉ. बी.एस. बलवंत	15
4	वंचित आबेडकरवादी साहित्य अब वैश्विक परिदृश्य में	डॉ.गोरख बनसोडे	18
5	'छोरा कोल्हाटी का' में स्त्री शोषण कि भयानकता	महेश भोपळे	21
6	घुमंतू समाज का परिचय तथा महाराष्ट्र के घुमंतू समाज के साहित्य का स्वरूप	डॉ.जी.एस.भोसले	24
7	पारधी समाज : जात पंचायत	प्रा.एम.व्ही.वर्णेकर	27
8	घुमंतू धनगर जनजाति के अंतरंग	डॉ. संगिता चित्रकोटी	30
9	बिना चेहरे के लोग में चित्रित घुमंतू जन-जातियो की कथा-व्यथा	डॉ. नितीन धवडे	33
10	घुमंतू जन – जातियों का चित्रण सुषमा मुनींद्र की कहानी 'देवता' के संदर्भ में	कु.अलका घोडके	36
11	आदिवासी पीड़ा की सशक्त अभिव्यक्ति : निर्मला पुतुल की कविताएँ	डॉ.कामायनी सुर्वे	39
12	वंचीतो के साहित्य में चित्रित वेदना	सचिन जाधव	44
13	वंचित एवं घुमंतू आदिवासी जनजाति का साहित्य : एक विवेचन	श्री. सूर्यकांत आमलापुरे	47
14	घुमंतू समाज के साहित्य का स्वरूप	डॉ कविता पनिया	51
15	घुमंतू बंजारा जाति का स्वरूप एवं उनकी पहचान	प्रा. नीलम भोसले	53
16	घुमंतू जनजातियाँ अपनी नयी रोशनी की तलाश में	डॉ.सिंदू हालदे	58
17	जातपंचायत में गावपंचायत – घुमक्कड समाज की त्रासदी	डॉ. एच.डी.टोंगारे, सतीशकुमार पडोळकर	60
18	रांगेय राघव के 'कब तक पुकारू' उपन्यास में करनट जाति के शोषण का चित्रण	प्रा.जे.ए. पाटील	63
19	बंजारा समाज की बोली भाषा का स्वरूप	डॉ. अनिता काकडे	68
20	घुमंतू समाज में कोल्हाटी समाज	डॉ. दिलीपकुमार कसबे	72
21	रामनाथ चव्हाण के 'बिन चेहरे के इन्सान' कहानी संग्रह में चित्रित घुमंतू समाज की समस्याएँ	डॉ. एच.व्ही. काटे	76
22	बंजारा एवं पारधी : परिवर्तन के संकेत	डॉ.भारत खिलारे	81
23	भारतीय समाज का सबसे वंचित समाज : किसान	प्रा.मारुफ मुजावर	87
24	घुमंतू चित्रकथी समाज का सांस्कृतिक जीवन	श्रीमती. आर. के मुल्ला	90
25	हिंदी कहानी साहित्य में वंचित समाज का चित्रण	प्रा.पी. आर.रगडे	94
26	बंजारा समाज की गुप्त भाषागत शब्दावली : एक अध्ययन	डॉ.सुभाष राठोड	99
27	घुमंतू समाज की बोली भाषा	डॉ.संग्राम शिंदे	103
28	वंचित अवाम की बुलंद आवाज : जयभारत –जयभीम	डॉ.सय्यद शौकतअली	107
29	घुमंतू समाज की कलाओं के प्रकार और स्वरूप	श्री.अंकुश शेलार	110
30	घुमंतू समाज का व्यवसायानुसार वर्गीकरण	डॉ.बाजीराव शेलार	114
31	घुमंतू समाज का स्वरूप और उनके व्यवसाय	डॉ. महिपती शिवदास	118

32	घुमंतू समाज का व्यवसाय के अनुसार वर्गीकरण तथा व्यवसाय का स्वरूप	सुरेखा मंगलगी	123
33	घुमंतू समाज की बोली भाषा तथा सांकेतिक भाषा	डॉ. वंदन जाधव	130
34	घुमंतू जनजातियों की श्रम संस्कृति	व्यंकट बा. धारासुरे	134
35	घुमंतू समाज का व्यवसाय अनुसार वर्गीकरण	प्रा. किसन वाघमोडे	139
36	घुमंतू 'वड्डर' समाज की श्रम संस्कृति और 'तोडती पत्थर' कविता	डॉ.प्रतिभा येरेकार	143
37	घुमंतू जनजातियों में कोरकू समाज का आर्थिक जीवन	प्रा. एस. डी. कोरेबोईनवाड	146
38	घुमंतू समाज में कोरकू जनजाति की सांस्कृतिक नृत्यकला	प्रा. सुधाकर वाघमारे	151
39	हिंदी दलित काव्य में चित्रित वंचितों की पीडा	डॉ. सविता निंबाळकर	156
40	डोंबारी समाज कि संस्कृति एवं व्यवसाय का परिचय	श्रीमती. आर. के. मुल्ला	159

Our Editors have reviewed papers with experts' committee, and they have checked the papers on their level best to stop furtive literature. Except it, the respective authors of the papers are responsible for originality of the papers and intensive thoughts in the papers. Nobody can republish these papers without pre-permission of the publisher.

- Chief & Executive Editor